परेशानी • दो फोरलेन पर लगे बिजली के पोल ट्रैफिक में बाधा बन रहे हैं क्योंकि...

पांच साल बाद भी बिजली कंपनी को सालाखेड़ी-जावरा फाटक अंडरब्रिज फोरलेन हैंडओवर नहीं

भास्कर संवाददाता | रतलाम

सेंट जोसफ कॉन्वेंट स्कूल से दो बत्ती तक सीमेंट कांक्रीट फोरलेन बन रहा है। यदि हम पिछले सालों में बने दो फोरलेन फव्वारा चौक से जिला पंचायत और सालाखेड़ी से जावरा फाटक अंडरब्रिज की बात करें तो ये फोरलेन तो तैयार हो गए हैं, लेकिन इन पर लगे पोल और ट्रांसफार्मर आज भी ट्रैफिक में बाधा बने हुए हैं। इससे लोगों को रोज परेशान होना पड़ रहा है। ये पोल हट जाए तो ट्रैफिक की समस्या हल हो सकती है।

पॉवर हाउस रोड फोरलेन और डाट की पुल में बन रही सड़क से पोल हटे - जहां अन्य फोरलेन में बिजली लाइन अभी भी ट्रैफिक में बाधा बन रही है, वहीं पॉवर हाउस रोड फोरलेन एवं डाट की पुल रोड से पोल शिफ्टिंग हो गई है। अब यहां के पोल ट्रैफिक में बाधा नहीं बन रहे हैं। वहीं, सेंट जोसफ कॉन्वेंट से महाराजा सज्जनसिंह चौराहा तक क्षेत्र में बन रहे फोरलेन में अभी चौराहे पर लगे बिजली पोल की शिफ्टिंग होना बाकी है।

सालाखेड़ी-जावरा फाटक अंडरब्रिज फोरलेन

सालाखेड़ी से जावरा फाटक अंडरब्रिज तक सीमेंट कांक्रीट का फोरलेन 5 साल पहले 2016 में बनकर तैयार हुआ था। लोक निर्माण विभाग ने 26 करोड़ रुपए की लागत से बनाया था। तब रोड बनने के साथ ही लोकनिर्माण विभाग ने पोल हटाने का दावा किया था, लेकिन यहां भी यही स्थिति है। बिजली के पोल आज भी सड़कों पर लगे हैं और ये ट्रैफिक में बाधा बन रहे हैं। जबकि पांच साल पहले ही इन्हें हट जाना था।

लोक निर्माण विभाग ने हमें हैंडओवर नहीं किया - बिजली कंपनी के शहर कार्यपालन यंत्री विनय प्रतापसिंह ने बताया सालाखेड़ी- जावरा फाटक अंडरब्रिज तक फोरलेन का निर्माण लोकनिर्माण विभाग ने करवाया। यहां के बिजली पोल को हमारे हैंडओवर नहीं किया। इससे हम कुछ नहीं कर सकते हैं। हैंडओवर करें तो हम आगे की प्रक्रिया शुरू करें। वहीं फव्वारा चौक से जिला पंचायत तक बने फोरलेन की बात करें तो पोल शिफ्टिंग पीछे करने के लिए नगर निगम को अतिक्रमण हटाना था। अभी तक निगम ने अतिक्रमण हटाकर नहीं दिया। सुरक्षा की दृष्टि से हम भी ट्रांसफार्मर और पोल को पीछे नहीं हटा सकते हैं। क्योंकि पीछे मकान और दुकान है। यदि निगम हमें हटाकर दे तो हम पोल पीछे शिफ्ट कर देंगे।

फव्वारा चौक-जिला पंचायत फोरलेन

फव्वारा चौक से जिला पंचायत तक सीमेंट कांक्रीट फोरलेन का निर्माण दो साल पहले तैयार हुआ था। नगर निगम ने इस फोरलेन को 3.26 करोड़ रुपए से बनाया था। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तरफ के बिजली के पोल तो हटा दिए हैं, लेकिन गीता मंदिर की साइड में अभी भी बिजली ट्रांसफार्मर और पोल नहीं हटाए हैं। इससे ये आज भी ट्रैफिक में बाधा बन रहे हैं और रोज ट्रैफिक जाम हो रहा है। यदि ये पोल हटे तो राहत मिल सकती है।

लोकेंद्र भवन रोड के फोरलेन की यही स्थिति- अभी सेंट जोसफ कॉन्वेंट से महाराजा सज्जन सिंह चौराहा तक फोरलेन का निर्माण चल रहा है। लोकेंद्र भवन के सामने तक तो बिजली के पोल हट गए हैं, लेकिन दो बत्ती पर अभी भी बिजली के पोल लग रहे हैं। इसके बाद भी फोरलेन का निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में जल्द पोल नहीं हटाए तो यहां भी फव्वारा चौक फोरलेन और सालाखेड़ी से अंडरब्रिज तक के फोरलेन की स्थिति बन सकती है। हालांकि बिजली कंपनी ने इन्हें जल्द हटाने का दावा कर रही है।

पोल शिफ्टिंग के लिए प्रयास करेंगे- नगर निगम के इंजीनियर जीके जायसवाल ने बताया पोल शिफ्टिंग के लिए प्रयास करेंगे। इस संबंध में बिजली कंपनी से भी चर्चा की जाएगी।

भास्कर - 18

दै. भास्कर 18/9/21

जिला अस्पताल को मिली ऑक्सीजन प्लांट की सौगा

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क

जिला चिकित्सालय में शुक्रवार को प्रातः विधायक चैतन्य काश्यप द्वारा 500 लीटर क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट लोकार्पित किया गया। लोकार्पण अवसर पर सिविल सर्जन डॉ.आनंद चंदेलकर, गोविंद काकानी, श्रीमती अनिता कटारिया, प्रदीप उपाध्याय, शैलेंद्र डागा, बजरंग पुरोहित, अशोक पोरवाल, कृष्ण कुमार सोनी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शिराली जैन आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए विधायक श्री काश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर रतलाम जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट की सौगात मिली है। रतलाम जिले में विगत समय में वृहद स्तर पर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। सभी के संयुक्त प्रयासों से जिले में कोरोना पर नियंत्रण पाया गया है। डेंगू के प्रकोप के दृष्टिगत मरीजों की सुविधा के लिए प्लेटलेट्स सेपरेशन मशीन चालू होने जा रही है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में की गई व्यवस्थाओं का भी जिक्र किया। श्री काश्यप ने कहा कि जिला चिकित्सालय का अपना एक अलग महत्व है। बीमार होने वाला व्यक्ति जिला चिकित्सालय को देखकर उम्मीद रखता है कि उसका बेहतर उपचार होगा। श्री काश्यप ने बताया कि जि चिकित्सालय में 300 बेड व्यवस्था प्रस्ताव गया है, शीघ्र स्वीकृति मिलने व है। आने वाले दिनों में एक अत्याधु नवीनीकृत रूप में जिला चिकित्सालय दे को मिलेगा।

सुविधा के मामले में अग्र

उन्होंने कहा कि रतलाम मेडि सुविधाओं के मामले में अग्रणी सिद्ध हो है। आने वाले दिनों में 500 लीटर क्षमत एक और ऑक्सीजन प्लांट चिकित्सालय तथा एमसीएच के लिए स्थ किया जाने वाला है। कार्यक्रम में गो काकानी ने भी संबोधित किया। संच दुष्यंत पुरोहित ने किया। इसके पूर्व विध श्री काश्यप द्वारा फीता काटकर ऑक्सी प्लांट लोकार्पित किया गया। अब जिल चार ऑक्सीजन प्लांट कार्यरत है।

राजएक्सप्रेस 18/9/21

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा- रतलाम में विधायक चेतन्य काश्यप ने किया था आग्रह

मुख्यमंत्री ने इन्दौर में की रतलाम निवेश क्षेत्र की घोषणा

रतलाम » दबंग रिपोर्टर

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के इन्दौर प्रवास के दौरान आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने रतलाम निवेश क्षेत्र के लिए 1000 एकड़ भूमि नेशनल हाईवे अथोरिटी को देने की घोषणा कर दी है। केन्द्रीय मंत्री गड़करी ने इन्दौर के समारोह में कहा कि दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे के निरीक्षण के दौरान रतलाम निवेश क्षेत्र की संबद्धता एक्सप्रेस वे से करने के लिए विधायक चेतन्य काश्यप ने आग्रह किया था। रतलाम निवेश क्षेत्र के लिए पैसों की कमी नहीं है। नेशनल हाईवे अथोरिटी की लॉजिस्टीक कंपनी के माध्यम से निवेश क्षेत्र के कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। इससे रतलाम भविष्य में लॉजिस्टीक का बहुत बड़ा हब बनेगा। विधायक चेतन्य काश्यप ने बताया कि केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नीतिन गड़करी ने दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे के रतलाम जिले में निरीक्षण के दौरान कहा था कि दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे पर रतलाम के बाजू में म.प्र. औद्योगिक विकास निगम द्वारा 1800 हेक्टेयर क्षेत्र में निवेश क्षेत्र नेशनल हाईवे अथोरिटी को दिया जाएगा तो म.प्र. सरकार के साथ पार्टनरशिप में इसका विकास किया जाएगा। इस पर उनके रतलाम से प्रस्थित होने के तत्काल बाद मुख्यमंत्री श्री चौहान को अवगत कराया। मुख्यमंत्री चौहान ने इस पर तत्काल कदम उठाते हुए इन्दौर के समारोह में रतलाम निवेश क्षेत्र की भूमि नेशनल हाईवे अथॉरिटी को देने की घोषणा कर दी है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि म.प्र. सरकार नेशनल हाईवे अथॉरिटी के साथ एमओयू करने के लिए तत्काल तैयार है।

प्रदेश का दूसरा सबसे बड़ा निवेश क्षेत्र बनेगा : काश्यप

विधायक काश्यप ने बताया कि 4 फरवरी को रतलाम दौरे पर आए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने रतलाम के समीप प्रदेश का दूसरा बड़ा निवेश क्षेत्र बनाने की घोषणा की थी। इसके लिए म.प्र. औद्योगिक विकास निगम को 1500 हेक्टेयर शासकीय भूमि भी आवंटित कर दी गई थी। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री गडकरी से पिछले पखवाड़े नई दिल्ली में मुलाकात कर पत्र सौंपा था जिसमें रतलाम निवेश क्षेत्र को दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे से संबद्ध करने का आग्रह किया गया था। इसके बाद गुरुवार को दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे का निरीक्षण करने आए गडकरी ने राज्य सरकार के साथ पार्टनरशिप में रतलाम निवेश क्षेत्र का विकास करने के लिए आश्वस्त किया तो मुख्यमंत्री चौहान को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने भी रतलाम के विकास के लिए तत्काल भूमि देने की घोषणा कर निवेश क्षेत्र के विकास का मार्ग प्रशस्त कर दिया है।

रतलाम में बड़ा लॉजिस्टिक पार्क एवं इंडस्ट्रियल क्लस्टर बनेगा

इन्दौर में गडकरी ने एक्सप्रेस वे के निरीक्षण के दौरान विधायक काश्यप के आग्रह का उल्लेख करते हुए बताया कि रतलाम निवेश क्षेत्र के लिए पैसों की कोई कमी नहीं है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी की लाजिस्टिक कंपनी द्वारा इसे विकसित कराया जाएगा और इसकी अन्तर्राष्ट्रीय मार्केटिंग भी की जाएगी। काश्यप ने बताया कि रतलाम निवेश क्षेत्र का विकास नेशनल हाईवे अथॉरिटी द्वारा म.प्र. सरकार के साथ पार्टनरशिप में किया जाएगा। इसमें जमीन म.प्र. सरकार की होगी और इन्वेसमेंट नेशनल हाईवे अथॉरिटी करेगा। गडकरी ने रतलाम निवेश क्षेत्र में बड़ा लॉजिस्टिक पार्क एवं इंडस्ट्रियल क्लस्टर बनाने के लिए आश्वस्त किया है। इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र का विकास होगा। रतलाम देश का महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि यह दिल्ली-मुम्बई का सेंटर है। यहां से एशिया का बड़े कंटेनर फोर्ट जेएनपीटी मुंबई तथा कांडला फोर्ट जाने वाला मार्ग दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे से मिलेगा। इससे आयात निर्यात की गतिविधियां आसानी से होगी। पंजाब, हरियाणा, कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश सभी राज्यों का माल इस रोड से जाएगा। इसलिए यह क्षेत्र लॉजिस्टिक प्रोटेंशियल रहेगा।

पेज-18

दबंग दुनिया 18/2/21

स्वच्छता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

रतलाम। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जिले में स्वच्छता गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर से कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, एसपी गौरव तिवारी, जिला पंचायत सीईओ जमुना भिड़े द्वारा 8 स्वच्छता रथो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

स्वच्छता रथ को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम।

रेलवे परिसर में की साफ-सफाई

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत शुक्रवार स्वच्छ स्टेशन के रूप में मनाया गया। इस दौरान मंडल के सभी स्टेशनों जैसे रतलाम, इंदौर, उज्जैन, देवास, दाहोद, नागद, चित्तौड़गढ़, नीमच, मंदसौर, सीहोर, डा. आंबेडकर नगर सहित अन्य स्टेशनों पर कोरोना संक्रमण को देखते हुए शारीरिक दूरी का पालन करते हुए रेलवे के सफाई कर्मचारियों व ठेके पर काम करने वाले सफाई कर्मचारियों द्वारा विभिन्न सफाई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। शासकीय भवनों के ड्रेन व छत की सफाई की गई। कर्मचारियों द्वारा स्टेशनों पर इंस्टाल्ड सोलर पावर पैनल व बाटल क्रशर मशीन की कार्यशीलता की जांच की गई। स्वच्छता/प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण/सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग को कम करने हेतु लोगों को जागरूक किया गया। रेस्ट हाउस, रनिंग रूम, प्लेटफार्म, फुटओवर ब्रिज आदि पर गंदगी नहीं फैलाने के लिए नोटिस चस्पा लोगों को जागरूक किया गया।

नई. 18

नईदुनिया 18/9/21

मेरा शहर, मेरी विरासत

अलविदा रतलाम...मैं न थका, न हारा...बस हो गया बेसहारा

का एक आम वृक्ष,
5 शहर के उस रोड
से तनकर खड़ा था,
ी पहली किरण के
की दिनचर्या शुरू हो
धे से वृक्ष बनने का
ी कम मुश्किल भरा
अनेक प्रकार के
र उतार-चढ़ाव को
द इस काबिल बन
रों के काम आ सकूं।
ओं पर कई तरह के
पना घरोंदा बनाया,
री शाखाओं पर ही
में ऊंची उड़ान का
े थे, नीचे छांव की
ाए लोगों के सुख-
तों में भी मैं खामोशी
ता था। वर्षाकाल हो
ं या सर्द मौसम का
मौसम मेरे लिए एक
ा लेकर आता, वक्त

शहर में प्राणवायु के लिए कागजों पर जतन हकीकत में धराशायी हो रहे वृक्ष

गुजरता गया और मेरे आसपास भी बदलाव होता रहा। जड़ों का माटी से संबंध सीमेंट के मजबूत जोड़ में बदल गया तो हवाओं में फैलने को तैयार मेरी शाखाएं हद में ला दी गई, लेकिन फिर भी मैं अपने दायित्व पथ से अलग नहीं हुआ, निःस्वार्थ भाव से प्राणवायु को जन-जन तक पहुंचाना जारी रखा, लेकिन स्वार्थ का पहिया ऐसा घूमा कि मेरी धड़कनों को ही बंद करने का दिन ला दिया गया, न मैं थका था और न हारा, फिर भी बेसहारा हो गया, मेरी शाखाओं को काट दिया गया तो जड़ों का दम घोंट दिया, आखिरी वक्त में भी मेरी धड़कने रतलाम के लिए धड़कती रहीं, पूरा जोर लगाया, लेकिन स्वार्थ की आरी से बच नहीं पाया। बचता भी कैसे, जब मेरी जरूरत को लेकर बड़े-बड़े संदेश देने वाले, सोशल मीडिया पर पर्यावरण बचाने का दंभ भरने वाले और एक पौधा रोपने के दौरान फोटो सेशन कराने वाले ही साथ खड़े नहीं हो पाए। काश...मेरी जरूरत का संदेश हकीकत बन जाता, आरी वाले हाथों को रोका जाता, वृक्ष को संरक्षित रखने का दावा अमल में आता तो शहर की निःस्वार्थ भाव से सेवा का अवसर और लंबा हो जाता।

- सचिन त्रिवेदी

पत्रिका

पत्रिका आह्वान

आओ जिम्मेदारों को जगाएं कटते वृक्षों को बचाएं

यह दर्द किसी एक वृक्ष का नहीं, बल्कि शहर में धड़ल्ले से काटे जा रहे अनेक वृक्षों का है, पौधा रोपने, पर्यावरण बचाने और प्राणवायु के दूतों को बनाए रखने के लिए हमें एकजुटता दर्शानी होगी। हमारे प्रयास ना सिर्फ बढ़ाने होंगे बल्कि उनका अमल में आना भी नजर आना चाहिए। जिम्मेदारों को यह जवाब तो देना ही पड़ेगा कि आखिर हरे-भरे वृक्ष क्यों काटे जा रहे हैं, अगर जरूरत भी है तो इसकी भरपाई कैसे और कहां से होगी, किस तरह की जवाबदारी से काटे जा रहे वृक्ष की कमी की पूर्ति नई व्यवस्था से होगी।

अपना कमेंट इन नंबरों पर प्रेषित करे

वाट्सएप. 9179890074

हम आपका संदेश जिम्मेदारों तक पहुंचाएंगे, दिए गए नंबरों पर भेजे संदेश और नाम।

पत्रिका 18/9/21

इन्दौर - 18

विधायक द्वारा रतलाम जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट लोकार्पित

रतलाम। जिला चिकित्सालय में शुक्रवार को प्रातः विधायक चैतन्य काश्यप द्वारा 500 लीटर क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट लोकार्पित किया गया। लोकार्पण अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. आनंद चंदेलकर, गोविंद काकानी, श्रीमती अनिता कटारिया, प्रदीप उपाध्याय, शैलेंद्र डागा, बजरंग पुरोहित, अशोक पोरवाल, कृष्ण कुमार सोंनी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शिराली जैन आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए विधायक काश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर रतलाम जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट की सौगात मिली है। रतलाम जिले में विगत समय में वृहद स्तर पर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। सभी के संयुक्त प्रयासों से जिले में कोरोना पर नियंत्रण पाया गया है। डेंगू के प्रकोप के दृष्टिगत मरीजों की सुविधा के लिए प्लेटलेट्स सेपरेशन मशीन चालू होने जा रही है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में की गई व्यवस्थाओं का भी जिक्र किया। श्री काश्यप ने कहा कि जिला चिकित्सालय का अपना एक अलग महत्व है। बीमार होने वाला व्यक्ति जिला चिकित्सालय को देखकर उम्मीद रखता है कि उसका बेहतर उपचार होगा। श्री काश्यप ने बताया कि जिला चिकित्सालय में 300 बेड व्यवस्था का प्रस्ताव गया है, शीघ्र स्वीकृति मिलने वाली है। आने वाले दिनों में एक अत्याधुनिक नवीनीकृत रूप में जिला चिकित्सालय देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि रतलाम मेडिकल सुविधाओं के मामले में अग्रणी सिद्ध हो रहा है। आने वाले दिनों में 500 लीटर क्षमता का एक और ऑक्सीजन प्लांट बाल चिकित्सालय तथा एमसीएच के लिए स्थापित किया जाने वाला है।

इन्दौर समाचार 18/9/21

लीज रेन्टधारी जनता परेशान बेहाल, नगर निगम मे कोई जवाब देने वाला नही ?

(विशेष संवाददाता की रिपोर्ट)

रतलाम । नगर पालिक निगम में इन दिनों कोई जवाब देने वाला अधिकारी कर्मचारी नहीं है , जनता बेहाल परेशान होकर चक्कर लगा रही है । नगर निगम में बैठे अधिकारियों को अपनी बदंरबाट से फुर्सत नहीं मिल रही है । सूत्रों से पता चला है कि कई लोगों ने निगम से लीज पर प्रापर्टी ली थी और विधिवत जब प्रापर्टी रिन्यू की आवश्यकता पड़ी तो नगर निगम अधिकारियों / कर्मचारियों ने जनता को कोई जबाव या सहायता देना उचित नही समझते । संवादताता के अनुसार धन्ना सेठों और ताकतवर लोगों के काम नगर निगम में जल्दी हो जाते है मगर एक आम जनता नगर निगम के चक्कर लगा ते रहते है ? कस्तूरबा नगर , अमृत सागर , शास्त्री नगर के लीज प्रापर्टी की रिन्यू करवाने में नगर निगम में पैसे व दस्तावेज जमा करवाने के बाद भी रिन्यू नही हो रही है । इसी तारतम्य में साहूकारों के घर बैठे काम हो रहे है । जिससे लोगों में आक्रोश उत्पन्न हो रहा है और यह ज्ञातव्य है कि जहां आक्रोशउत्पन्न होने लगता है , उसके परिणाम भी भंयकर व आश्चर्यचकित करने वाले होते है ।

चोगी एक्सप्रेस 17

चोगी एक्सप्रेस 17/7/21

डेंगू का प्रकोप बढ़ा...छह नए मरीज मिले

जिला अस्पताल में रोज 10 मरीजों को चढ़ाई जा रही प्लेटलेट्स

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिलों में डेंगू के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। शुक्रवार को भी एलाइजा टेस्ट की 25 रिपोर्ट में छह नए मरीज मिले, जिसमें पांच शहर के और एक सैलाना का है। पिछले 15 दिन से हालात ऐसे है, कि जिला अस्पताल में हर दिन दस मरीजों को प्लेटलेट्स चढ़ानी पड़ रही है। निजी अस्पतालों का आंकड़ा शनिवार को 25 पार था। इसके अलावा मेडिकल कालेज में भी 100 से अधिक मरीज भर्ती हैं। यहां आठ मरीजों को प्लेटलेट्स चढ़ानी पड़ी।

जिला अस्पताल के डेंगू वार्ड के सभी बेड भरे होने के साथ पुरुष-महिला मेडिकल वार्ड में जमीन पर लेटकर मरीज उपचार ले रहे हैं। बाल चिकित्सालय में भी बीमार बच्चों की संख्या बढ़ती जा रही है। यहां मौसमी बुखार के बच्चे अधिक हैं। जिले में अब तक 315 डेंगू के मरीज मिल चुके हैं। प्रदेश में जिला तीसरे नंबर पर है। डेंगू नियंत्रण के लिए जागरूकता अभियान के साथ फीवर सर्वे और फागिंग चल रही है, इसके बावजूद रोज नए मरीज मिल रहे हैं।

जिला अस्पताल में जमीन पर लेटकर उपचार लेते हुए मरीज। • नईदुनिया

पैथालाजी का निरीक्षण करते राज्य कार्यक्रम अधिकारी हिमांशु जायसवाल। • नईदुनिया

राज्य कार्यक्रम अधिकारी ने किया दौरा

जिले में डेंगू के मरीजों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को भोपाल से राज्य कार्यक्रम अधिकारी हिमांशु जायसवार स्थिति का जायजा लेने आए। उन्होंने जिले में निरीक्षण किया और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से मुलाकात कर डेंगू की जांच, भर्ती मरीज एवं रिपोर्टिंग के संबंध में चर्चा की। जिला अस्पताल की सेंट्रल लैब में संचालित एलाइजा जांच का निरीक्षण कर लैब में राशनल यू आफ टेस्टिंग फिलिंग आफ रिक्विजिशन फार्म एवं राशनल यूटिलाइजेशन आफ प्लेटलेट्स के संदर्भ में जरूरी निर्देश दिए।

नगर निगम में फागिंग के इंतजामों पर ध्यान

जिला अस्पताल में निरीक्षण के बाद राज्य कार्यक्रम अधिकारी ने कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम से मिलकर डेंगू की जांच, उपचार, आइसोलेशन वार्ड आदि पर चर्चा की। नगर निगम कार्यालय जाकर आयुक्त सोमनाथ झारिया से फागिंग, सर्वे के संबंध में जानकारी ली और प्लान बना कर हाई रिस्क वार्डों में वेक्टर कंट्रोल की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मेडिकल कालेज के डीन से सेंटिनल सर्विलेंससाइट, डेंगू, भर्ती मरीजों के लिए आइसोलेशन वार्ड, दवाइयों की उपलब्धता, प्लेटलेट चढ़ाए गए मरीजों के संबंध में जानकारी ली।

जिला मलेरिया अधिकारी डा. प्रमोद प्रजापति ने बताया कि भोपाल से शुक्रवार को राज्य कार्यक्रम अधिकारी निरीक्षण करने आए थे। नए मरीज तो अभी रोज मिल रहे है। सेमलिया में सर्वे चल रहा है। लार्वा नष्ट कराने के साथ लोगों को जागरूक किया जा रहा है। पृ' 18

नईदुनिया 18/9/21

धोलावड़ लबालब, 394 मीटर तक आ चुका है जलस्तर

अब तक का कोटा पूरा, सामान्य से 76 मिमी दूर

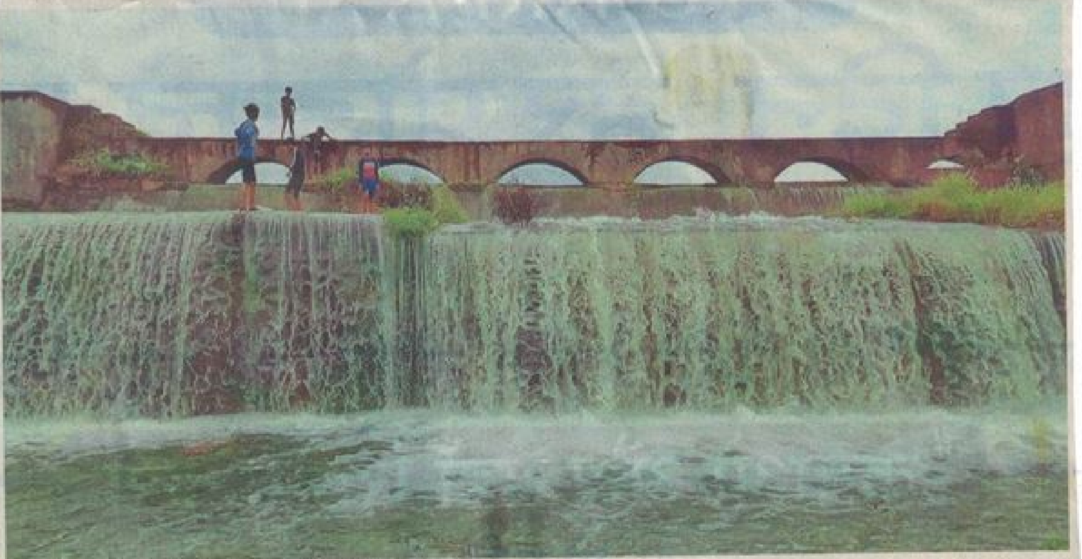

रतलाम के हनुमान ताल के वेस्ट वियर से बहता पानी। ●नईदुनिया

रतलाम। जिले में रुक-रुककर हो रही मध्यम-तेज बारिश से सितंबर माह में अब तक का कोटा पूरा हो गया है। तीन दिन से हो रही बारिश से जिले के कई जलस्रोतों में पर्याप्त पानी जमा हो गया है, वहीं कई जलस्रोत लबालब होकर छलकने लगे हैं। इससे किसान सहित आमजन की कुछ चिंता दूर हुई है। जिले में अब तक करीब 863 मिमी पानी बरस चुका है। गत वर्ष इस अवधि में 990 मिमी बारिश हुई थी।

शहर सहित अंचल में रुक-रुककर रिमझिम-तेज बारिश का दौर चल रहा है। शुक्रवार को हालांकि मौसम खुला रहा, लेकिन बीते तीन दिनों से रुक-रुककर बरस रही कृपा से जलस्रोतों का जलस्तर बढ़ा है। शहर का हनुमान ताल लबालब हो गया है। प्रतिदिन रतलामवासियों के कंठ तर करने वाले धोलावड़ डैम का जलस्तर भी बढ़ गया है। डैम की कुल जल भराव क्षमता 395 मीटर है। वर्तमान में 394 मीटर तक पानी आ चुका है। सुबह आठ बजे समाप्त हुए बीते चौबीस घंटों के दौरान जिले में 13.9 मिमी बारिश हुई। जावरा तहसील में 18 मिमी, पिपलौदा में आठ मिमी, बाजना में 14 मिमी, रतलाम में 11 मिमी, रावटी में 26 मिमी, सैलाना तहसील में 34 मिमी पानी बरसा। आलोट और ताल तहसील सूखी रही।

अब तक 33 इंच से अधिक

जिले में अब तक 848.3 मिमी बारिश हो चुकी है। गत वर्ष इस अवधि में 985.3 मिमी पानी बरसा था। जिले की कुल सामान्य बारिश 918.3 मिमी और अब तक 845.2 मिमी है। जिले की आलोट, जावरा व ताल तहसील को छोड़कर शेष सभी तहसीलें गत वर्ष की तुलना में पिछड़ी हुई हैं। आलोट में 16 मिमी, जावरा में 112 मिमी, ताल में 14 मिमी ज्यादा बारिश हुई है, वहीं पिपलौदा में 168 मिमी, बाजना में 521 मिमी, रतलाम में 112 मिमी, रावटी में 155.8 मिमी, सैलाना में 282 मिमी पानी कम बरसा है। पृ. 18

जिले की तहसीलों में बारिश की स्थिति

तहसील	अब तक	गत वर्ष की बारिश मिमी
आलोट	761.0	745.0
जावरा	087.0	75.0
ताल	917.0	902.2
पिपलौदा	709.0	877.0
बाजना	683.0	1204.0
रतलाम	834.0	946.0
रावटी	874.2	1030.0
सैलाना	921.0	1203.0
औसत	848.0	985.3

नईदुनिया 18/9/21

स्वच्छता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

रतलाम। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जिले में स्वच्छता गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर से कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती जमुना भिड़े द्वारा 8 स्वच्छता रथो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। एसबीएम के जिला समन्वयक कटारे भी उपस्थित थे।

इन्दौर समाचार 18/9/21

87 टन कचरा जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचाया

रतलाम। नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार नगर निगम के कचरा संग्रहण वाहनों के माध्यम से घर-घर से पृथक-पृथक एकत्रित किया जा रहे गीले-सूखे कचरे, सड़कों व नाले-नालियों की सफाई के दौरान निकलने वाले कचरे का प्रतिदिन वजन कर जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पर पहुंचाया जा रहा है। इसके तहत शुक्रवार को 87 टन कचरा जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पर पहुंचाया गया। डंपर व ट्रैक्टर-ट्राली से 39465, काम्पेक्टर सूखा कचरा 38860, ट्रैक्टर से 8865 किलो इस तरह कुल 87190 किलो कचरा जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचाया गया।

नईदुनिया 18/9/21

...तन्य कश्यप ने किया लोकार्पण: अस्पताल में तीन सौ बेड का भी प्रस्ताव

...ा अस्पताल में 500 लीटर क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट लोकार्पित

पत्रिका
सोशल
प्राइड
...टवर्क

...अस्पताल को मिले ...ा वाले ऑक्सीजन ...र्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र ...दिन पर विधायक ... ने किया। पीएम ...ले इस ऑक्सीजन ... जाने से यहां आने ...जों को ऑक्सीजन की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा। विधायक काश्यप ने इस अवसर पर कहा कि शासन को 300 बेड का अस्पताल का भी प्रस्ताव दिया गया है। यह स्वीकृत होकर बन जाता है तो मरीजों को और बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

विधायक कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट की सौगात मिली है। रतलाम जिले में विगत समय में वृहद स्तर पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सभी के संयुक्त प्रयासों से जिले में कोरोना पर नियंत्रण पाया गया है। इस समय डेंगू के प्रकोप के दृष्टिगत मरीजों की सुविधा के लिए प्लेटलेट्स सेपरेशन मशीन चालू होने जा रही है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में की गई व्यवस्थाओं का भी जिक्र किया लेकिन यह भी कहा कि जिला चिकित्सालय का अपना एक अलग महत्व है। कश्यप ने बताया कि जिला अस्पताल में 300 बेड व्यवस्था का प्रस्ताव गया है। शीघ्र स्वीकृति मिलने वाली है। आने वाले दिनों में एक अत्याधुनिक नवीनीकृत रूप में जिला चिकित्सालय देखने को मिलेगा।

एमसीएच के लिए भी लगेगा ऑक्सीजन प्लांट

विधायक काश्यप ने कहा कि आने वाले दिनों में 500 लीटर क्षमता का एक और ऑक्सीजन प्लांट बाल चिकित्सालय तथा एमसीएच के लिए स्थापित किया जाने वाला है। समाज सेवी गोविंद काकानी ने भी संबोधित किया। संचालन दुष्यंत पुरोहित ने किया। इसके पूर्व विधायक कश्यप ने ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण किया और फिर फीता काटकर ऑक्सीजन प्लांट लोकार्पित किया।

पत्रिका 18/9/21

जिला अस्पताल में शुरू हुआ 500 लीटर का ऑक्सीजन प्लांट

विधायक चेतन्य काश्यप ने किया लोकार्पण

ऑक्सीजन प्लांट का शुभारंभ करते हुए विधायक चेतन्य काश्यप। ●नईदुनिया

रतलाम। जिला चिकित्सालय में लगाए गए 500 लीटर क्षमता के आक्सीजन प्लांट का लोकार्पण शुक्रवार को विधायक चेतन्य काश्यप ने किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर रतलाम जिला अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट की सौगात मिली है। रतलाम जिले में विगत समय में वृहद स्तर पर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सभी के संयुक्त प्रयासों से जिले में कोरोना पर नियंत्रण पाया गया है। प्लेटलेट्स सेपरेशन मशीन भी चालू होने जा रही है।

नए रूप में दिखेगा जिला अस्पताल

जिला अस्पताल में 300 बेड के नए भवन के प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृति मिलने वाली है। आने वाले दिनों में एक अत्याधुनिक नवीनीकृत जिला चिकित्सालय देखने को मिलेगा। 500 लीटर क्षमता का एक और आक्सीजन प्लांट बाल चिकित्सालय तथा एमसीएच के लिए स्थापित किया जाने वाला है। गोविंद काकानी, अनिता कटारिया, शैलेंद्र डागा, अशोक पोरवाल, कृष्ण कुमार सोनी, डिप्टी कलेक्टर शिराली जैन आदि उपस्थित रहे।

नईदुनिया 18/9/21

राजपूत बोर्डिंग कालोनी डेंगू का गढ़ बना ?

रतलाम । कोरोना त्रासदी भुगतने के बा अब देश डेंगू प्रकोप से जूझ रहा है। पूरे देश में डेंगू भंयकर महामारी के रुप ले चुका है ।

रतलाम भी इससे अछूता नहीं है । रोजाना मरीज आ रहे है , मगर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा महज कुछ जगह धुंआ थोड़कर मच्छरो से सुरक्षित समझा जा रहा है । राजपूत बोर्डिंग कालोनी के रहवासियों ने बताया कि इस जगह विगत १०-१२ माह से सफाई कर्मचारी नहीं होने से गंदगी का अम्बार लगा हुआ है । ढेरो मच्छर उत्पन्न हो रहा है और इंसी क्षेत्र में अधिकांश घरों में डंगू ने दस्तक दे रखी है । मगर निगम के भ्रष्ट आला अफसरों को चिन्हित करा देने के बाद भी इस क्षेत्र में कोई प्रबंध नहीं किया जाना आश्चर्यनजक है ।

राजपूत बोर्डिंग क्षेत्र में पूर्व में एक सफाईकर्मी द्वारा सफाई की जाती थी । वर्तमान में उनके बीमार हो जाने से १०-१२ माह से यहां कोई सफाईकर्मी नही आ रहा है । जिससे पूरे राजपूत बोर्डिंग क्षेत्रवासियों को गंदगी का सामना करना पड़ा रहा है और डेंगू से कई परिवार पीड़ित हो रहे है ?

योगी एक्सप्रेस १९/९/२१

रुद्राक्ष सहित 101 पौधे रोपकर मनाया आजादी का महोत्सव

वन विभाग द्वारा शहर में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व मंत्री एवं कलेक्टर, एसपी और डीएफओ। • नईदुनिया

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शुक्रवार को वन विभाग द्वारा परिसर में पौधरोपण किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री हिम्मत कोठारी, कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, एसपी गौरव तिवारी, डीएफओ डीएस डुडवे, पर्यावरणविद खुशालसिंह पुरोहित आदि ने पौधा लगाया। इसके अलावा स्वतंत्रता की 75 वर्षगांठ, आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को वन रोपनी बिलपांक सामाजिक वानिकी वन वृत्त रतलाम में गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में पौधारोपण किया गया। यहां एक रुद्राक्ष व अन्य 100 मिश्रित प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। रोटरी क्लब रतलाम के अध्यक्ष विमल छाजेड़, बीजेपी मंडल अध्यक्ष बिलपांक आनंदीलाल राठौड़, राकेश पाटीदार, पतंजलि के विशाल वर्मा, रोबिन हुड आर्मी के सदस्य, सहायक वन संरक्षक डा. अरुण पारीक, वन विस्तार अधिकारी रतलाम अजय कुमार शर्मा, वन विस्तार अधिकारी मंदसौर बृजेश कुमार तिवारी आदि मौजूद रहे।

निशुल्क गैस कनेक्शन वितरण कार्यक्रम आज

रतलाम। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2.0 के अंतर्गत निशुल्क गैस कनेक्शन वितरण का जिला स्तरीय कार्यक्रम शनिवार को रतलाम के रोटरी हाल में आयोजित होगा। दोपहर 2:00 बजे से आयोजित वाले उक्त कार्यक्रम में प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय मंत्री हरदीप सिंह डंग तथा विधायक चेतन्य काश्यप उपस्थित रहेंगे। जिले में अन्य 29 स्थानों पर संचालित गैस एजेंसियों पर भी हितग्राहियों को निशुल्क गैस कनेक्शन वितरण कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिला आपूर्ति अधिकारी एसएच चौधरी ने बताया कि जिले में 5000 पात्र हितग्राहियों को कनेक्शन का लक्ष्य दिया गया है। व्य.1.18

नईदुनिया 18/9/21

विधायक काश्यप ने 71 पौधे लगाए

रतलाम | प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 71वें जन्मदिन पर शुक्रवार को विधायक चेतन्य काश्यप ने जन कल्याण और सुराज अभियान में तीन स्थानों पर 71 पौधे रोपे। पूर्व निगम अध्यक्ष अशोक पोरवाल, पूर्व एमआईसी सदस्य भगतसिंह भदौरिया, मंगल लोढ़ा, मयूर पुरोहित, नीलेश गाधी, आयुक्त सोमनाथ झारिया सहित अन्य उपस्थित रहे।

तीन दिनी प्रदर्शनी शुरू - रंगोली सभागृह में पीएम मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित तीन दिनी प्रदर्शनी शुक्रवार से शुरू हुई। शुभारंभ सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक चेतन्य काश्यप एवं डॉ. राजेंद्र पांडे ने किया। प्रदर्शनी 19 सितंबर तक सुबह 9 से शाम 7 बजे तक खुली रहेगी।

कोरोना टीका - सेवा एवं समर्पण अभियान में 111 का लक्ष्य रखकर कोरोना टीका लगाया। विधायक काश्यप ने कालिका माता टीकाकरण केंद्र पहुंचकर टीका लगाने आई वृद्ध महिला का सम्मान किया। इसी तरह प्रत्येक बूथ पर पहुंचकर नेताओं ने टीकाकरण करवाया।

दै. भास्कर 18/9/21

ा की जन्मतिथि पर भारत ने अपना ही रिकार्ड तोड़ा, एक दिन में लगे 2.24 करोड़ टीके

ूरो)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र
के अवसर पर एक दिन
अधिक डोज लगाकर
वायरस के खिलाफ
पना ही विश्व रिकार्ड
पहले 31 अगस्त को
का रिकार्ड बनाया था।
रण के बाद भारत सभी
मिलाकर लगाए लगाए
टीके लगाने वाला देश

उपलब्धि पर स्वास्थ्य
विया ने स्वास्थ्य कर्मियों
करोड़ डोज का आंकड़ा
मांडविया ने ट्वीट करते
अब कर दिखाया है,
कर्स।' वहीं भाजपा के
ी नड्डा ने इस उपलब्धि
ी के नेतृत्व में न्यू इंडिया

प्रधानमंत्री की तिथि के दिन बड़े पैमाने पर टीकाकरण के लिए केंद्र और राजग सरकार के साथ साथ भाजपा ने पूरी तैयारी की थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों की इन तैयारियों के हिसाब से वैक्सीन की सप्लाई सुनिश्चित की थी। शुक्रवार की सुबह तक राज्यों के पास 6.17 करोड़ डोज स्टाक में थे। इसी का परिणाम था कि शाम तक कर्नाटक और बिहार 25 लाख से अधिक तो उत्तर प्रदेश 23 लाख से अधिक और मध्य प्रदेश 22 लाख से अधिक डोज लगाने में सफल रहे। इस रिकार्ड उपलब्धि के साथ ही भारत में अब तक कुल 79.64 करोड़ डोज लगाई जा चुकी हैं, जो विभिन्न महाद्वीपों में लगाए गए टीके से भी अधिक हैं। यूरोप के सभी देशों में कुल 77.7 करोड़ डोज लगाई गई हैं। वहीं अमेरिका समेत पूरे उत्तरी अमेरिकी देशों में 59.3 करोड़ डोज, दक्षिण अमेरिकी देशों में 40.3 करोड़ डोज ही अब तक लगाई जा सकी हैं।

महाअभियान : 22 लाख 29 हजार को लगा टीका, चौथे नंबर पर मध्य प्रदेश

भोपाल (नईदुनिया प्रतिनिधि)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर प्रदेशभर में शुक्रवार को आयोजित कोरोना टीकाकरण महाअभियान में शाम सात बजे तक 22 लाख 29 हजार लोगों को टीका लगाया गया। 32 लाख 90 हजार लोगों को कोरोना से बचाव वाले टीके की पहली और दूसरी डोज लगाने का लक्ष्य था। इसके लिए प्रदेश में 12 हजार 508 टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए। शुक्रवार को सर्वाधिक टीका लगाने वाले राज्यों में मध्यप्रदेश चौथे नंबर पर रहा है। पहले नंबर पर कर्नाटक, इसके बाद बिहार और उत्तर प्रदेश हैं। टीकाकरण की शुरुआत से लेकर अभी तक टीका लगाने का यह दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है।

सीएम दिव्यांग को वैक्सीनेशन के लिए ले गए

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने टीकाकरण महाअभियान के तीसरे चरण का शुभारंभ सरोजिनी नायडू कन्या विद्यालय के टीकाकरण केंद्र पर दिव्यांग को वैक्सीनेशन के लिए ले जाकर किया। • नईदुनिया

सीएम ने कहा, बड़ी देर भई नंदलाला, अब देर मत करो

भोपाल (राज्य ब्यूरो)। टीकाकरण महाअभियान के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राजधानी के सरोजिनी नायडू हायर सेकंडरी स्कूल पहुंच दिव्यांग अनिल कुमार और अरुण चौरसिया को टीका लगवाया। जो लोग टीकाकरण नहीं करा रहे हैं, उनके लिए मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी देर भई नंदलाला, अब तो देर मत करो। उन्होंने कहा कि 26 सितंबर तक प्रदेश के सभी पात्र लोगों को पहली डोज लगवाने का लक्ष्य है। इसके बाद घर-घर जाकर टीका लगाएंगे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डा. प्रभुराम चौधरी भी उपस्थित थे।

टीकाकरण केंद्र तक लाकर टीका लगवाएं : सीएम

मुख्यमंत्री टीकाकरण केंद्र पर मौजूद दिव्यांग की ट्रायसाइकिल को धक्का देकर काउंटर पर ले गए और रजिस्ट्रेशन कराया, फिर उसे टीका लगवाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिनकी गली, मोहल्ले, गांव में कोई टीकाकरण नहीं करा पाया हो तो उसे टीकाकरण केंद्र तक लाकर टीका लगवाएं। जिन्होंने पहली डोज लगवा ली है, वे दूसरी भी लगवाएं। प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाने का इससे बेहतर तरीका नहीं हो सकता है।

नई. 18

नईदुनिया 18/9/21

सुभाष शॉपिंग काम्पलेक्स का मरम्मत व सौदर्यीकरण कार्य समय सीमा में पूर्ण करें

निगम आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान दिये निर्देश

रतलाम। महू रोड स्थित सुभाष शॉपिग काम्पलेक्स को नवीन स्वरुप देने के लिए आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण शाखा, स्वास्थ्य विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों को मरम्मत व सौन्दर्यीकरण का कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये।

आयुक्त झारिया ने मार्केट का निरीक्षण किया, इस दौरान प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी, कार्यपालन यंत्री व इंजीनियर आदि मौजूद रहे। आयुक्त ने मार्केट के कोने-कोने का निरीक्षण कर यहां की सफाई व ड्रेनेज व्यवस्था को देखा और समय सीमा में यहां व्याप्त कमियों को दूर करने के निर्देश मौके पर ही दिए है। इसी तरह दुकानों की शटर की मरम्मत और जरुरत होने पर नए शटर लगाने के लिए भी संबधित इंजीनियर को कहा है।

इस मौके पर आयुक्त श्री झारिया ने बताया कि मार्केट की 99 दुकानों को नगर निगम के ई-टेंडर के माध्यम से आगामी दिनों नीलाम करने जा रहा है। इस नीलामी को लेकर रतलाम शहर सहित अन्य नगरों के व्यापारी व खरीदारी भी रुचि दिखा रहे है। कुछ समय पूर्व निर्मित इस मार्केट की दुकानो व छत बेहतर बनाने के लिए निगम प्रशासन यहां मरम्मत

कार्य भी शुरु करवा चुका है।

उन्होने बताया कि सुभाष मार्केट की दुकानों की नीलामी ई-निविदा के माध्यम से प्राप्त होकर पारदर्शी आंवटन होगा। यहां अचल संपत्ति अन्तरण नियम 2016 के तहत आवंटन की कार्रवाही की जाएगी। यहां की दुकानों के लिए 30 वर्ष की लीज या 10 वर्ष की लीज राशि एक मुश्त जमा कराए जाने पर फ्री होल्ड का प्रावधान भी रखा गया है। इसके साथ ही दुकानों पर किसी तरह का किराया नही रहेगा। आयुक्त ने बताया कि शहर के सबसे बड़े इस मार्केट में पार्किंग की पर्याप्त सुविधा है, इसके साथ ही समीप की एक बड़ी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाकर वहां भी पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है, ताकि चार पहिया सहित अन्य बड़े वाहनों को यहां खड़ा किया जा सके। इस मौके पर दुकानों की खरीदारी के लिए आए व्यापारियों ने भी निगम आयुक्त श्री झारिया से मुलाकत की और ईनिविदा से जुड़ी जानकारी व नियम शर्तें की जानकारी ली। निगम आयुक्त श्री झारिया ने बताया कि सुभाषचन्द्र शापिंग काम्पलेक्स की प्रथम फ्लोर व लोवर फ्लोर पर स्थिति दुकानों के आंवटन मध्यप्रदेश नगर पालिका (अचल संपत्ति का अंतरण) नियम 2016 एवं संशोधित नियम 4 मई 2021 के प्रावधान के अन्तगर्त किए जाने के लिए आफर ई निविदा द्वारा आमंत्रित है। उन्होने कहा कि ई-निविदा नीलामी की नियम शर्तें जगह-जगह चस्पा की जा चुकी है जिसे पढ़कर खरीदार इस नीलामी में हिस्सा ले सकते है। उन्होने कहा कि सुभाष मार्केट को सर्वसुविधाजनक बनाए जाने के सभी प्रयास किए जा रहे है, जिसके चलते यह मार्केट शहर के सबसे बड़े और सुसज्जिज मार्केट में शुमार होगा। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री जी.के. जायसवाल, स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह, उपयंत्री राजेन्द्र मिश्रा, ब्रजेश कुशवाह, शैलेन्द्र गोठवाल आदि उपस्थित थे।

इन्दौर - 18

इन्दौर समाचार 18/9/21

महल का एक हिस्सा धराशायी , कोई जनहानि नहीं

शासन और प्रशासन क
चलते जर्जर स्थिति मे

जोशी

द्ध रतलाम के एतिहासिक
थति शासन और प्रशासन की
नते जर्जर स्थिति में पहुंच गई
न में कई सरकारी कार्यालय
। किराया भी अच्छा-खासा
राया कहा जाता है पता नहीं
खजाने में यह राशि जमा होना
होगी लेकिन इस महल के
इस राशि का उपयोग नहीं होता
त यह हो गई है कि उसके कई
ोने लगे है। शुक्रवार को भी
ग धराशायी हो गया। यह तो
समय कोई उपस्थित नहीं था
संभावित थी।
के अधिग्रहण के मामले को
र लिखा गया, ज्ञापन दिए

गए, कई कलेक्टर चले गए, सरकारें आई चली गई. नेता और मंत्री आए वह भी इतिहास के पन्नों में चले गए, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली और राजमहल लगातार जर्जर होता गया।

वंश से जुड़े राजघरानों ने भी सुध नहीं ली

ी अधिग्रहण की सुध ली और ना ही यह विचार आया कि इतना विशाल राजमहल जो
ने महलों में शामिल है खण्डर होता जा रहा है। एक कारण यह भी है कि इस राजमहल
ीं बचा जो इसकी सुध लेता, रतलाम राजवंश से जुड़े कई राज घराने है यदि चाहते तो वे
हल को अपने पूर्वजों की विरासत के रूप में सुरक्षित करवा सकते थे, लेकिन किसी
। यही कारण है कि आज वह राजमहल खण्डर होता जा रहा है, कई हिस्से इसके गिर
ंरित हो गई है, कई लोगों ने दिवालों को तोड़-फोड़कर अवैधानिक रूप से खिड़कियां,
नए है, लेकिन किसी भी प्रशासकीय अधिकारी ने शिकायतों और अखबार में खबर
तो कार्रवाई कि और ना ही उसे गंभीरता से लिया।

स्वदेश-18

भू-माफियाओं की गिद्ध निगाह-बताते यह भी है कि इस राजमहल को खरीदने के लिए कई भू-माफिया जिन्होंने शासकीय जमीनों पर एन-केन प्रकारेण कब्जा कर लिया, आदिवासियों की जमीनें बिकवा दी, कई आला अधिकारियों के प्लाट भी शायद बड़ी-बड़ी कॉलोनियों में होंगे, यही कारण है कि कभी भी ठोस कार्रवाई राजवंश की संपत्ति को लेकर नहीं हो पाई।

कलेक्टर ने की थी पहल- तत्कालिन कलेक्टर दीप्ति गौड़ मुखर्जी ने इसके अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू कर राजवंश की संपत्ति पर सरकारी कब्जे के बोर्ड भी लगा दिए , जो कतिपय लोगों को बर्दाश्त नहीं हुए और उन्होंने बोर्ड भी हटवा दिए और कलेक्टर को तबादला भी करवा दिया और उसके बाद की स्थिति तो काफी चिंता जनक रही है।

अनोखी कारीगरी का अद्भूत नमूना- इस राजमहल में कई ऐसे बड़े-बड़े हाल है और दरबार हाल तो इतना बड़ा है कि एक साथ हजारों लोग बैठ सकते है। इस दरबार हाल को जनता के लिए खोलने की मांग की गई थी ताकि एक बड़े सभागृह की कमी को पूरा किया जा सके। इटालियन पद्धति से बना यह राजमहल अपने आप में अनोखी कारीगरी का अद्भूत नमूना है, जितना यह बाहर से भव्य दिखता है ऐसी ही भव्यता इसके अंदर भी देखी जा सकती है।

जहां कभी परिंदे भी नहीं घुस सकते थे- किसी जमाने में राजमहल में परिंदे नहीं घुस पाते थे। वहां आज राजमहल के दरवाजे कई स्थानों पर खुले हुए ,जहां आवारा किस्म के लोग अंदर प्रवेश कर शराब पीने के रूप में उपयोग करते है। न कोई अधिकृत चौकीदार है और न कोई रख-रखाव करने वाली अधिकृत एजेंसी। राजवंश से जुड़े कुछ परिवार जो सेवक के रूप में बरसों से रहते चले आ रहे है वे थोड़ा रख-रखाव उनके ही हिस्से में करते है। बाकि शेष हिस्सा पूरी तरह से खण्हर के रूप में परिवर्तित होता जा रहा है। कई ने तो अतिक्रमण भी कर लिया है।

पुरातत्व संपदाओं की असीम धरोहर- रत्नपुरी के नाम से एक समय विख्यात आज का रतलाम पुरातत्वीय संपदाओं की असीम धरोहर अपने में संजोये हुए है। यह एतिहासिक खजाना समय-समय पर इतिहासकारों व पुरातत्व जानकारों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है, लेकिन यह पुरातन संपदा उचित संरक्षण के अभाव में लावारिस नजर आती है। आज भी पुरातत्व की दृष्टि से 1880 में बना यह राजमहल रतलाम का अमूल्य दर्शनीय स्थान है। यह महल यूरोपियन तथा भारतीय स्थापक कला की अमूल्य धरोहर है। इस महल की बनावट बड़ी सुंदर है। यह ऊंचाई पर बना होने से कई कि.मी. की दूरी से दिखाई देता है। आजादी के पूर्व कई महाराजाओं ने इस महल के नक्शे अपने लिए

मंगवाए थे। यह
कर्णधारों की उ
में तब्दिल हो रह
कई बार अ
रतलाम प्रेस क्ल
नेतृत्व में नवंबर
चलाया था,जिस
सामाजिक संस्थ
जनप्रतिनिधियों
को अधिग्रहण
साथ ही महल वे
सभागृह की क
प्रशासन का ध्या
भी मांग की थ
संचालन नगर
ताकि वह इसव
करवाकर इसका
में करे और इसव
रंगकर्मी संस्था
संगठनों के उपय
ताकि शहर में अ
किया जा सके।
समिति गठि
वह एक समिति
संपदा को सुरक्षि
कदम उठाए,
एतिहासिक धरो

स्वदेश 18/9/21

मध्यप्रदेश में डेंगू पर नियंत्रण के प्रयास जारी

डेंगू के लगभग 3000 प्रकरण सामने आए

भोपाल ● 17 सितम्बर (ब्यूरो)
मध्यप्रदेश में कोरोना पर नियंत्रण की स्थिति बनाए रखने के साथ ही डेंगू के बढ़ते प्रकरणों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ा दी है। सरकार कोरोना वैक्सीनेशन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के अलावा जानलेवा बीमारी डेंगू पर नियंत्रण के लिए भी उपाय कर रही है।

स्वास्थ्य विभाग के एक प्रवक्ता के अनुसार राज्य में हाल के दिनों में डेंगू के लगभग 3000 प्रकरण सामने आ चुके हैं। इनमें से लगभग आधा दर्जन मरीजों की मृत्यु भी हुई है। मच्छर के कारण फैलने वाले रोग डेंगू से सबसे अधिक मंदसौर, रतलाम, इंदौर, जबलपुर और भोपाल जिले प्रभावित हुए हैं। कुल प्रकरणों के 65 प्रतिशत से अधिक मामले इन पांच जिलों में ही पाए गए हैं, हालांकि राज्य के सभी 52 जिलों में डेंगू के मरीज मिले हैं। प्रवक्ता ने कहा कि मंदसौर में अब तक सबसे अधिक रोगी मिले हैं, जिनकी संख्या लगभग नौ सौ है। जिन मामलों में रोगी की मृत्यु हुई है, वे गुर्दे, हृदय और इस तरह की अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थे। सरकार ने डेंगू पर नियंत्रण पाने के लिए जनजागरुकता के अलावा स्वच्छता अभियान पर जोर दिया है।

■ नागरिकों से घरों में भंडारण किए हुए पानी को सात दिन में बदलने और खासतौर से कूलर का पानी बदलने तथा उनकी साफ-सफाई के लिए कहा जा रहा है। दरअसल ऐसे ही स्थानों पर डेंगू फैलाने वाले मच्छर और लार्वा पनपते हैं। इनकी वजह से ही डेंगू होने की आशंका बनी रहती है। नागरिकों से यह भी अनुरोध किया जा रहा है कि वे बुखार आने और डेंगू के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकों की सलाह लेकर आवश्यक परीक्षण और इलाज शुरू कराएं। स्वदेश - 18

स्वदेश 18/9/21

महाअभियान : 13 हजार से ज्यादा को लगा टीका

रतलाम | शहर में शुक्रवार को वैक्सीनेशन महाअभियान रहा। शहर में शाम तक 13 हजार से ज्यादा लोगों ने वैक्सीन लगवाई। हालांकि, लक्ष्य 25 हजार का तय किया था। शहर के कई केंद्रों पर सुबह भीड़ रही। कुछ केंद्रों पर टीकाकरण रात 11 बजे तक चलता रहा।

डेंगू के 6 नए पॉजिटिव, भोपाल से आई टीम

रतलाम | जिले में डेंगू के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। शुक्रवार को 6 नए पॉजिटिव सामने आए हैं। इधर, लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच शुक्रवार को राज्य कार्यक्रम अधिकारी रतलाम आए। उन्होंने लैब में एलाइजा जांच किट का जायजा लिया। वहीं, कलेक्टर, मेडिकल कॉलेज के डीन और सीएमएचओ से मुलाकात की। मेडिकल कॉलेज के डीन से भर्ती मरीजों के लिए आइसोलेशन वार्ड, दवा की उपलब्धता, प्लेटलेट्स चढ़ाएं मरीजों की जानकारी ली।

दै. भास्कर 18/9/21

ा एक हिस्सा धराशायी , कोई जनहानि नहीं

शासन और प्रशासन की उदासीनता के चलते जर्जर स्थिति में पहुंची धरोहर

गए, कई कलेक्टर चले गए, सरकारें आई चली गई. नेता और मंत्री आए वह भी इतिहास के पन्नों में चले गए, लेकिन किसी ने सुध नहीं ली और राजमहल लगातार जर्जर होता गया।

ने भी सुध नहीं ली

ो यह विचार आया कि इतना विशाल राजमहल जो
जा रहा है। एक कारण यह भी है कि इस राजमहल
ा राजवंश से जुड़े कई राज घराने है यदि चाहते तो वे
के रूप में सुरक्षित करवा सकते थे, लेकिन किसी
हल खण्डर होता जा रहा है, कई हिस्से इसके गिर
को तोड़-फोड़कर अवैधानिक रूप से खिड़कियां,
य अधिकारी ने शिकायतों और अखबार में खबर
रता से लिया।

स्वदेश-18

भू-माफियाओं की गिद्ध निगाह- बताते यह भी है कि इस राजमहल को खरीदने के लिए कई भू-माफिया जिन्होंने शासकीय जमीनों पर एन-केन प्रकारेण कब्जा कर लिया, आदिवासियों की जमीनें बिकवा दी, कई आला अधिकारियों के प्लाट भी शायद बड़ी-बड़ी कॉलोनियों में होंगे, यही कारण है कि कभी भी ठोस कार्रवाई राजवंश की संपत्ति को लेकर नहीं हो पाई।

कलेक्टर ने की थी पहल- तत्कालिन कलेक्टर दीप्ति गौड़ मुखर्जी ने इसके अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू कर राजवंश की संपत्ति पर सरकारी कब्जे के बोर्ड भी लगा दिए , जो कतिपय लोगों को बर्दाश्त नहीं हुए और उन्होंने बोर्ड भी हटवा दिए और कलेक्टर को तबादला भी करवा दिया और उसके बाद की स्थिति तो काफी चिंता जनक रही है।

अनोखी कारीगरी का अद्भूत नमूना- इस राजमहल में कई ऐसे बड़े-बड़े हाल है और दरबार हाल तो इतना बड़ा है कि एक साथ हजारों लोग बैठ सकते है। इस दरबार हाल को जनता के लिए खोलने की मांग की गई थी ताकि एक बड़े सभागृह की कमी को पूरा किया जा सके। इटालियन पद्धति से बना यह राजमहल अपने आप में अनोखी कारीगरी का अद्भूत नमूना है, जितना यह बाहर से भव्य दिखता है ऐसी ही भव्यता इसके अंदर भी देखी जा सकती है।

जहां कभी परिंदे भी नहीं घुस सकते थे- किसी जमाने में राजमहल में परिंदे नहीं घुस पाते थे। वहां आज राजमहल के दरवाजे कई स्थानों पर खुले हुए ,जहां आवारा किस्म के लोग अंदर प्रवेश कर शराब पीने के रूप में उपयोग करते है। न कोई अधिकृत चौकीदार है और न कोई रख-रखाव करने वाली अधिकृत एजेंसी। राजवंश से जुड़े कुछ परिवार जो सेवक के रूप में बरसों से रहते चले आ रहे है वे थोड़ा रख-रखाव उनके ही हिस्से में करते है। बाकि शेष हिस्सा पूरी तरह से खण्हर के रूप में परिवर्तित होता जा रहा है। कई ने तो अतिक्रमण भी कर लिया है।

पुरातत्व संपदाओं की असीम धरोहर- रत्नपुरी के नाम से एक समय विख्यात आज का रतलाम पुरातत्वीय संपदाओं की असीम धरोहर अपने में संजोये हुए है। यह एतिहासिक खजाना समय-समय पर इतिहासकारों व पुरातत्व जानकारों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है, लेकिन यह पुरातन संपदा उचित संरक्षण के अभाव में लावारिस नजर आती है। आज भी पुरातत्व की दृष्टि से 1880 में बना यह राजमहल रतलाम का अमूल्य दर्शनीय स्थान है। यह महल यूरोपियन तथा भारतीय स्थापक कला की अमूल्य धरोहर है। इस महल की बनावट बड़ी सुंदर है। यह ऊंचाई पर बना होने से कई कि.मी. की दूरी से दिखाई देता है। आजादी के पूर्व कई महाराजाओं ने इस महल के नक्शे अपने लिए मंगवाए थे। यही राजमहल आज रतलाम के कर्णधारों की उपेक्षा का शिकार होकर खण्हर में तब्दिल हो रहा है।

कई बार अधिग्रहण की मांग उठी- रतलाम प्रेस क्लब के पूर्वाध्यक्ष शरद जोशी के नेतृत्व में नवंबर 2004 में धरना आंदोलन भी चलाया था,जिसमें शहरभर की प्राय: सभी सामाजिक संस्थाओं, व्यापारी संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों ने मंच पर आकर राजमहल को अधिग्रहण किए जाने की मांग की थी, साथ ही महल के दरबार हाल को सार्वजनिक सभागृह की कमी को पूरा करने की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया था और यह भी मांग की थी कि इस दरबार हाल का संचालन नगर निगम के जिम्मे किया जाए ताकि वह इसकी नियमित रूप से सफाई करवाकर इसका उपयोग आडिटोरियम के रूप में करे और इसका सामान्य किराया लेकर यह रंगकर्मी संस्थाओं तथा अन्य सामाजिक संगठनों के उपयोग के लिए उपलब्ध करवाए, ताकि शहर में आडिटोरियम की कमी को दूर किया जा सके।

समिति गठित करें शासन को चाहिए कि वह एक समिति का गठन कर इस पुरातन संपदा को सुरक्षित करवाने के लिए तत्काल कदम उठाए, ताकि मालवा की इस एतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखा जा सके।

स्वदेश 18/9/21

विधायक द्वारा रतलाम जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट लोकार्पित

प्रसारण न्यूज़ • रतलाम

जिला चिकित्सालय में शुक्रवार को प्रातः विधायक चैतन्य काश्यप द्वारा 500 लीटर क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट लोकार्पित किया गया। लोकार्पण अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. आनंद चंदेलकर, गोविंद काकानी, श्रीमती अनिता कटारिया, प्रदीप उपाध्याय, शैलेंद्र डागा, बजरंग पुरोहित, अशोक पोरवाल, कृष्ण कुमार सोनी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री शिराली जैन आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए विधायक काश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर रतलाम जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट की सौगात मिली है।

रतलाम जिले में विगत समय में वृहद स्तर पर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है। सभी के संयुक्त प्रयासों से जिले में कोरोना पर नियंत्रण पाया गया है। डेंगू के प्रकोप के दृष्टिगत मरीजों की सुविधा के लिए प्लेटलेट्स सेपरेशन मशीन चालू होने जा रही है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में की गई व्यवस्थाओं का भी जिक्र किया। श्री काश्यप ने कहा कि जिला चिकित्सालय का अपना एक अलग महत्व है। बीमार होने वाला व्यक्ति जिला चिकित्सालय को देखकर उम्मीद रखता है कि उसका बेहतर उपचार होगा।

श्री काश्यप ने बताया कि जिला चिकित्सालय में 300 बेड व्यवस्था का प्रस्ताव गया है, शीघ्र स्वीकृति मिलने वाली है। आने वाले दिनों में एक अत्याधुनिक नवीनीकृत रूप में जिला चिकित्सालय देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि रतलाम मेडिकल सुविधाओं के मामले में अग्रणी सिद्ध हो रहा है। आने वाले दिनों में 500 लीटर क्षमता का एक और ऑक्सीजन प्लांट बाल चिकित्सालय तथा एमसीएच के लिए स्थापित किया जाने वाला है। कार्यक्रम में गोविंद काकानी ने भी संबोधित किया।

संचालन दुष्यंत पुरोहित ने किया। इसके पूर्व विधायक श्री काश्यप द्वारा फीता काटकर ऑक्सीजन प्लांट लोकार्पित किया गया। अब जिले में चार ऑक्सीजन प्लांट कार्यरत है।

प्रसारण-18

प्रसारण 18/9/21

दूसरे संगठन के पास जाएंगे यार्ड के कर्मचारी

द्वारका: सोमवार को कर्मचारियों से मिलेंगे संगठन के पदाधिकारी

मनमर्जी का निर्माण

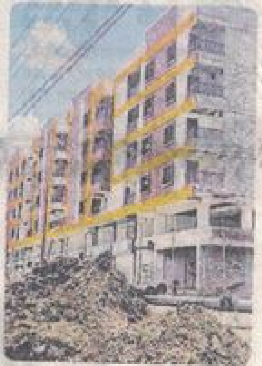

द्वारका रेसीडेंसी का गड़बड़झाला

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. द्वारका रेसीडेंसी संचालक द्वारा निर्माण के दौरान सैलाना यार्ड के कर्मचारियों से किए गए वादे को पूरा नहीं करने के बाद अब इस क्षेत्र के रेल कर्मचारी व उनके परिजन भी मुखर होने लगे हैं। इसके लिए शनिवार को रेल संगठन वेस्टर्न रेलवे एम्प्लाइज यूनियन को मदद के लिए ज्ञापन की तैयारी चल रही है। इधर सोमवार को वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ का प्रतिनिधि मंडल सैलाना यार्ड जाकर कर्मचारियों से मिलेगा।

द्वारका रेसीडेंसी के निर्माण के बाद जब कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम को पता चला की इसमे गड़बड़ी हुई है तो उन्होंने जांच के आदेश दिए थे। जांच के बाद सख्त कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण तोड़ने को कहा गया। बदले में नजूल व नगर निगम अपनी सीमा रेखा में लोहे के एंगल लगाकर आ गया। अब इसके बाद जब रेल कर्मचारियों की मांग पूरी नहीं हुई व पत्रिका ने इस मामले को उठाया तो रेल संगठन भी आगे आ गए हैं।

मंडल मंत्री के नेतृत्व में जाएंगे

सोमवार को वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ का प्रतिनिधि मंडल मंडल मंत्री बीके गर्ग के नेतृत्व में जाकर सैलाना यार्ड में रेल कर्मचारियों से मिलेगा व उनकी समस्या को सुनने के बाद डीआरएम विनीत गुप्ता से मुलाकात की जाएगी। इसके लिए तैयारी शुरू हो गई है।

इधर आज ज्ञापन की तैयारी

इधर शनिवार को वेस्टर्न रेलवे एम्प्लाइज यूनियन को रेल कर्मचारी ज्ञापन देने की तैयारी कर रहे हैं। इसके लिए सैलाना यार्ड के रेल परिजन यूनियन के मंडल मंत्री मनोहर बारठ से मिलेंगे व अपनी समस्याओं को बताएंगे।

पत्रिका

पत्रिका 18/9/21